समाचार पत्रों से चयित अंश
Newspapers Clippings

दैनिक सामयिक अभिज्ञता सेवा

A daily Current Awareness Service

Vol. 43 No. 31 31 January 2018

रक्षा विज्ञान पुस्तकालय
Defence Science Library
रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केन्द्र
Defence Scientific Information & Documentation Centre
मैटकॉफ हाऊस, दिल्ली 110054
Metcalfe House, Delhi- 110054

पंजाब केसरी

Wed, 31 Jan, 2018

समुद्र में छूटेंगे चीन और पाक के पसीने

एजेंसी/नई दिल्ली

समुद्र में दुश्मनों के होश ठिकाने लगाने वाली स्कॉर्पीन श्रेणी की तीसरी पनडुब्बी आईएनएस 'करंज' लॉन्च होने जा रही है। आईएनएस करंज आज बुधवार को मुंबई मझगांव डॉक पर लॉन्च की जाएगी। इस दौरान नेवी चीफ सुनील लांबा भी मौजूद रहेंगे। पहली स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस कलवरी को 14 दिसंबर 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम समर्पित किया था। कलवरी में पिछली डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की तुलना में बेहतर छुपने वाली प्रौद्योगिकी है। आईएनएस करंज की खास बात यह है कि यह एक स्वदेशी पनडुब्बी है, जो 'मेक इन इंडिया' के तहत तैयार की गई है। कलवरी और खांदेरी के बाद 'करंज' की ताकत देखकर दुश्मनों के पसीने छूट जाएंगे।

ये है 'करंज' की ताकत: अपने आधुनिक फीचर्स और सटीक निशाने की क्षमता वाली स्कॉर्पीन पनडुब्बी 'करंज' दुश्मनों को चकमा देकर सटीक निशाना लगा सकती है। करंज की यह खूबी चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की मुश्किलें बढ़ा देगी। इसके साथ ही 'करंज' टॉरपीडो और एंटी शिप मिसाइलों से हमले भी कर सकती है। युद्ध की स्थिति में करंज पनडुब्बी हर तरह की अड़चनों से सुरक्षित और बड़ी आसानी से दुश्मनों को चकमा देकर बाहर निकल सकती है। यानी इसमें सतह पर पानी के अंदर से दुश्मन पर हमला करने की खासियत भी है। इस पनडुब्बी को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसे किसी भी तरह की जंग में ऑपरेट किया जा सकता है। यह पनडुब्बी हर तरह के वॉरफेयर, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर और इंटेलिजेंस को इकट्ठा करने जैसे कामों को भी बखूबी अंजाम दे सकती है। बता दें कि कंरज पनडुब्बी 67.5 मीटर लंबी, 12.3 मीटर ऊंची, 1565 टन वजनी है। स्कॉर्पीन श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी खांदेरी लॉन्च की गई थी। फ्रांस की रक्षा व ऊर्जा कंपनी डीसीएनएस द्वारा डिजाइन की गईं पनडुब्बियां भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट-75 के तहत बनाई जा रही हैं।

खास बातें

- रडार की पकड़ से बाहर
- जमीन पर हमला करने में जबरदस्त महारत हासिल
- ऑक्सीजन भी निर्मित करने की है क्षमता
- लंबे समय तक पानी में रहने की क्षमता।

लम्बाई	ऊंचाई	वजन
67.5 मीटर	12.3 मीटर	1565 टन

THE HINDU BusinessLine

Mon, 29 Jan, 2018

Swadeshi, the new NITI

M SomasekharVK Saraswat, Member (S&T), NITI Aayog, was earlier Director General, Defence Research Development Organisation (DRDO), and Scientific Adviser to the Defence Minister. His views on S&T policy:

Self-reliance: Dependence on technology imports continues to grow. Indigenous technology development has been sparse except in strategic areas such as space, atomic energy and missiles, where technology denials and mission-mode programmes have helped in making a mark. Similarly in agriculture (green revolution), communications, drugs and a few other sectors have shown progress.

Research impact: The tendency among research institutes to prefer publication in scientific journals, and the reluctance to do collaborative work with industry, including CSIR, DRDO, ICAR, ICMR, has resulted in the overall low impact.